

## लेखकों से .....

- समाज वैज्ञानिकी शोध-पत्रिका, भारतीय समाज विज्ञान परिषद् की मुख्य हिन्दी शोध-पत्रिका है, जो मानव संसाधन मंत्रालय तथा पंजीयक, समाचार पत्र एवं पत्रिका भारत सरकार द्वारा पंजीकृत है।
- इस शोध-पत्रिका को ISSN नम्बर भी प्राप्त हो गया है।
- लेखकों से अनुरोध है कि शोध-पत्रिका में शोध-पत्र भेजते समय अन्तर्राष्ट्रीय मानकों का ख्याल रखें। अगर इन मानकों के अनुरूप शोध-पत्र नहीं होंगे तो उन्हें प्रकाशित करने में हम असमर्थ होंगे।

आलेख एवं शोध-पत्र में अन्तर होता है। आलेख तो समाचार-पत्रों एवं अन्य पत्रिकाओं में प्रकाशित हो सकते हैं, लेकिन शोध-पत्र सिर्फ शोध-पत्रिकाओं में ही प्रकाशित किये जाते हैं।

- शोध-पत्र भेजते समय ध्यान रखें कि :

शोध-पत्र में सम्बन्धित विषय के विशेषज्ञों की टिप्पणियाँ/कथन/अध्ययन सार सम्मिलित हैं। इनका उल्लेख निम्न तरह से करें। (एस. सी. दुबे - 2001 : 45)

- शोध-पत्र में सन्दर्भ सूची अन्तर्राष्ट्रीय मानक पद्धति में होनी चाहिए जैसे-

किताब - स्मिथ, जे. (1963) द थ्योरी ऑफ योरोपियन कल्चर बरमिंघम : लंग्वेज प्रेस.

संपादित किताब शुक्ला, जी. (2004) युवाओं में नशा द्वारा मिश्रा, गणेश (संपादक) भारतीय युवा दशा एवं दिशा : रीवा, गौरव प्रकाशन, पृष्ठ 34-35.

शोध-पत्रिका - प्रसाद, राजेश्वर (2005) समाजवाद : संक्रमण और संभावनाएँ, शोध पत्रिका; समाज वैज्ञानिकी, अंक (6) : 1-11.

थिसिस - कॉलिन, जे. (2001) 'ओरिजिन ऑफ जर्मन युनिवर्सिटी सिस्टम', पी-एच.डी. थिसिस, युनिवर्सिटी ऑफ नार्थ टाउन, इंग्लैण्ड

वेब साइट - जेनिंग्स, पी. (2003) एन एनोटेड बैबिलियोग्राफी ऑफ कण्टेम्पोरेरी साइकोलॉजी (आन लाइन) एवलेविल - <http://www.bup.ac.uk/humlit/socialscience/pschch.htm> (एसेस - 2 जनवरी, 2003)

- उपरोक्तानुसार सन्दर्भ पद्धति का प्रयोग करें। शोध-पत्र ए-4 साइज के कागज में एक तरफ, कम्प्यूटर द्वारा टाइप हुआ होना चाहिये। शोध-पत्र 3000 से 5000 शब्दों के बीच होना चाहिए।
- शोध-पत्र के साथ 250-300 शब्दों का सारांश भी भेजें।
- उपरोक्त गुणवत्ता के अभाव में शोध-पत्रों का प्रकाशन संभव नहीं होगा, अतः इन मानकों का गंभीरता के साथ पालन करें।
- शोध-पत्रों में सन्दर्भों का विवरण अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के साथ होना चाहिये।

शोध-पत्र भेजने का पता :

**डॉ. महेश शुक्ला,**

रजनीगंधा-8

शिल्पी उपवन, अनन्तपुर, रीवा मध्य प्रदेश-486002

email : msociology@rediffmail.com